महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416
मो. : 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 29.08.2016

प्रकाशनार्थ

भारतीय धर्म दर्शन में ही धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा निहित है। आज जरूरत है कि धर्म के मर्म को समझने की। यही भारत को नयी दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। इतिहास गवाह रहा है कि धर्म भारत की जीवनदायनी है। दुर्भाग्य से हम पश्चिम के सेकुलरिजम को भारतीय सन्दर्भ में आयातित कर समझने लगते है। धर्म से अलग होने पर सृष्टि ही संकट में पड़ जाएगी। धर्म ही वह सूत्र है जो सम्पूर्ण चराचर जगत को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करता है। धर्म का तात्पर्य धारण करना है भारतीय विचारधारा के अर्न्तगत धर्म को रिलीजन का पर्याय नहीं माना जा सकता है। धर्म समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर करता है। धर्म का सीधा अर्थ कर्तव्य पालन से है। धर्म पंथ से अलग है, धर्म व्यक्ति का समाजिक जबकि पंथ व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है और पंथ के आधार पर व्यक्ति का सामाजिक जीवन निर्देशित नहीं होना चाहिए। धर्म हमें नैतिक मूल्यों में विश्वास करना सिखाता है। धर्म नैतिकता से आगे की अवधारणा है। धार्मिक होने के लिए नैतिक होना परम आवश्यक है। व्यक्ति अगर नैतिक हो जाए तो वह धार्मिक स्वतः हो जाता है। उक्त बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. द्वारिकानाथ जी ने महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला के चौथे दिन **'धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा : भारतीय सन्दर्भ में एक विवेचन'** विषय पर बोलते हुए कही।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. आरती सिंह ने **'कबीर का समाजवाद'** विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि कबीर सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे। कबीर की शिक्षायें तद्युगीन समाज से लेकर वर्तमान कालीन समाज में भी समान रूप से प्रासंगिक है। कबीर का समाजवाद हम सभी के लिए न सिर्फ प्रेरणीय है अपितु अनुकरणीय भी है। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। वन्दे मातरम् महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान माला में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. आम्रपाली वर्मा, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवंत सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल सहित महाविद्यालय के समस्त छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

(डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी